प्रभु का कर धन्यवाद, हे मेरे मन

प्रभु का कर धन्यवाद -2

प्रभु के पावन नाम का कर धन्यवाद

उसके उपकारों के लिए कर धन्यवाद -2

1. तेरे पापों को प्रभु ने क्षमा की

रोग तेरे दूर किए और दी चंगाई

2. भलाईयों से तृप्‍त वह करता

तेरी जवानी में शक्‍ति वह देता।

3. अपनी संतानों पर करता है वह दया

भक्‍तों को अपने प्रेम वह करता

4. घास के समान है हमारा यह जीवन

मैदान के फूल समान मुर्झा जाता

5. प्रभु के वचन का पालन जो करते

अपने दासों की रक्षा वह करता

6. अनंत राजा प्रभु है जिसकी

सारी सृष्‍टि नित दिन स्‍तुति करती